Notre dame holy cross High school

Periodical test 1
Class 9
Sub - Hindi

Total marks 40

भाग क

2×5=10

1.निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए

यों तो मानव के इतिहास के आरंभ से ही इस कला का सूत्रपात हो गया था। लोग अपने कार्यों या विचारों के समर्थन के लिए गोष्ठियों या सभाओं का आयोजन किया करते थे। प्रचार के लिए भजन कीर्तन मुंडालियाँ बनाई जाती थी। परंतु उनका क्षेत्र अधिकतर धार्मिक, दार्शनिक या भक्ति संबंधी होता था।

वर्तमान विज्ञापन कला विशुद्ध व्यावसायिक कला है और आधुनिक व्यवसाय का एक अनिवार्य अंग है। विज्ञापन के लिए कई साधनों का उपयोग किया जाता है ; जैसे हैंडबिल,रेडियो और दीवार पोस्टर, समाचार-पत्र पत्रिकाएँ,बड़े-बड़े साइनबोर्ड और दूरदर्शन।

जब से छपाई का प्रचार-प्रसार बड़ा तब से इतिहास या हैंडबिल का विज्ञापन के लिए प्रयोग आरंभ हुआ। कागज और मुद्रण सुविधा के सुलभ होने से विज्ञापन के इस माध्यम का उपयोग बहुत अधिक लोकप्रिय हुआ। मान लीजिए साड़ियों की दो समान दुकाने एक ही बाजार में है। इनमें से 'क ' तो इश्तिहार (हैडबिल) गली- मोहल्ले में बँटवाता है और ' ख ' हाथ पर हाथ धरे बैठा रहता है, तो परिणाम यह होगा कि 'क 'का नाम लोगों के मुँह पर चढ़ जाएगा। यह अधिक लोकप्रिय हो जाएगा और उसके माल की बिक्री बहुत बढ़ जाएगी।

बहुत से व्यापारी बहुत बड़े-बड़े विज्ञापन छपवाकर नगर की दीवारों पर चिपकवा देते हैं। बहुत से तो दीवारों पर ही विज्ञापन लिखवा देते हैं। इससे आते-जाते लोगों की नजर उस पर पड़ती है और वह विज्ञापनकर्ता की सेवाओं या वस्तुओं से परिचित हो जाते हैं फिर जब उसे आवश्यकता पड़ती है तो विज्ञापनकेर्ता का नाम ही उसकी स्मृति में उभरता है ।

प्रश्न क. इतिहास के आरंभ में विज्ञापन कला का क्या स्वरूप था ?

प्रश्नख. वर्तमान में विज्ञापन कला का क्या स्वरूप है ?

प्रश्न ग. इश्तहार या हैंडबिल के प्रयोग से विक्रेता को क्या लाभ होता है ?

प्रश्नघ. दीवारों पर छपिया लिखे हुए विज्ञापनों से क्या फायदा होता है ?

प्रश्नङ 'विज्ञापन ' शब्द का वर्ण विच्छेद कीजिए।

(अथवा/OR)

प्रश्न1.निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर दिए हुए प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

अब कैसे छूटे राम नाम रट लागी ।
प्रभु जी,तुम चंदन हम पानी,जाकी अँग-अँग बास समानी।
प्रभु जी, तुम धन बन हम मोरा, जैसे चितवत चंद चकोरा।
प्रभु जी, तुम दीपक हम बाती, जाकी जोति बरै दिन राती।
प्रभु जी, तुम मोती हम धागा,जैसे सोनहि मिलत सुहागा ।
प्रभु जी, तुम स्वामी हम दासा, ऐसी भक्ति करै रैदासा ।।

ऐसी लाल तुझ बिनु कउनु करै।
गरीब निवाजु गुसईया मेरा माथे छत्रु धरै।।

जाकी छोति जगत कउ लागै ता पर तुहिं ढ़रै ।
नीचहु कुछ ऊच करै मेरा गोविंदु काहू ते न डरै ।।
नामदेव कबीरु तिलोचनु साधना सैनु तरै।
कहि रविदासू सुनहु रे संतहु अरिजीउ ते सभै सरै।

प्रश्नक. पहले पद में भगवान और भक्त की जिन जिन चीजों से तुलना की गई है, उनका उल्लेख कीजिए ?

प्रश्न ख. पहले पद की प्रत्येक पंक्ति के अंत में तुकांत शब्दों के प्रयोग से नाथ सौंदर्य आ गया है जैसे - पानी, समानी आदि।
इस पद मे से अन्य दो तुकांत शब्द छाँटकर लिखिए।

प्रश्न ग. दूसरे पद में कवि ने 'गरीब नवाजु ' किसे कहा है?स्पष्ट कीजिए।
प्रश्न घ. रैदास ने अपने स्वामी को किन किन नामों से पुकारा है?
प्रश्नङ भाव स्पष्ट कीजिए -
क. जाकी अँग-अँग बास समानी

प्रश्न2. निम्नलिखित शब्दों के पर्याय लिखिए - 1×5=5
ईमान -
बदन -
अंदाज़ा -
बेचैनी -
गम -

प्रश्न3.शब्दों के अर्थ लिखिए - 1×5=5

अनुभूति -

व्यथा -

अड़चन -

पोशाक -

निर्वाह -

प्रश्न4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए - 2×5=10

क. गुल्लू को मुक्त करने की आवश्यकता क्यों समझी गई और उसके लिए लेखिका ने क्या उपाय किया ?

ख. लेखिका का ध्यान आकर्षित करने के लिए गुल्लू क्या करता था ?

ग. मनुष्य के जीवन में पोशाक का क्या महत्व है ?

घ. लेखक उस स्त्री के रोने का कारण क्यों नहीं जान पाया ?

ङ. भगवाना अपने परिवार का निर्वाह कैसे करता था ?

भाग ख

प्रश्न 5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए - 1×5=5

क. वर्णमाला किसे कहते हैं ?

ख. स्वर किसे कहते हैं ?

ग. लुप्त स्वर किसे कहते हैं ?

घ. स्पर्श व्यंजन किसे कहते हैं ?

ङ.संयुक्त व्यंजन किसे कहते हैं ?

प्रश्न6. मिले-जुले शब्द लिखें - 1×5=5

ख़ार -

ज़री -

ताज़ -

ग़श -

क़द -